सफलता एनआईआरएफ की रैंकिंग में डीएवीवी की रैंक में आया सुधार, टॉप 150 में बनाई जगह

इंदौर आईआईएम पांचवें, आईआईटी 13वें स्थान पर

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के तहत देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की रैंक सोमवार को घोषित की गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शीर्ष संस्थानों की रैंक के बारे में बताया। इसमें इंजीनियरिंग संस्थानों में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी-इंदौर) को 13वीं और मैनेजमेंट संस्थानों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम इंदौर) को 5वां स्थान मिला है। पिछले साल की तुलना में देवी अहिल्या

विश्वविद्यालय की रैंक में सुधार हुआ है। विश्वविद्यालय श्रेणी में पिछले साल जहां डीएवीवी की रैंक 151-200 के बीच आई थी, वहीं इस बार 101-150 के बीच अपनी जगह बनाई है। वहीं स्कूल ऑफ फार्मेसी ने 55वीं रैंक हासिल की है।

सोमवार को मानव संसाधन व विकास मंत्रालय ने एनआईआरएफ के तहत कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, लॉ, मेडिकल आर्किटेक्चर श्रेणियों में अलग-अलग संस्थानों को रैंक दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़ और प्रो. प्रतोष बंसल के मुताबिक विश्वविद्यालय की तरफ से 140 बिंदुओं पर जानकारी भेजी गई।

विश्वविद्यालय का इस बार ज्यादा जोर रिसर्च पेपर और स्कॉलरशिप के आंकड़ों पर रखा। उसकी बदौलत ही विश्वविद्यालय को सत्र 2018-19 की रैंकिंग में 101-150 के बीच में स्थान मिला है। ओवरऑल प्रदर्शन में टॉप 10 में आईआईटी के 7 कैम्पस ने जगह बनाई है। इनमें पहले स्थान पर आईआईटी मद्रास आया है।

आईआईएम-आई छह पायदान आया ऊपर : इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट श्रेणी में इंदौर ने जगह बनाई है। आईआईएम-इंदौर की पिछले साल 11वीं रैंक थी, जो इस बार छह पायदान ऊपर आ गई है। 5वां स्थान पाकर आईआईएम इंदौर ने टॉप 10 में जगह बनाई है। जबकि आईआईटी-इंदौर ने पिछले साल की तुलना में सिर्फ एक पायदान ऊपर आया है। 14वीं रैंक से इस साल आईआईटी इंदौर को 13वां स्थान मिला है।

लॉ-आर्किटेक्चर में भोपाल के तीन संस्थान

कॉलेज श्रेणी में मध्यप्रदेश का एक भी कॉलेज नहीं है। इंदौर के अलावा भोपाल से तीन संस्थान ही रैंकिंग में आए हैं जिसमें लॉ और ऑर्किटेक्चर श्रेणी शामिल है। लॉ में भोपाल का नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) को 11वीं रैंक मिली है। वहीं आर्किटेक्चर श्रेणी में भोपाल की स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर को 6ठी और मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को 14वीं रैंक आई है।

स्कूल ऑफ फार्मेसी पिछड़ा

फॉर्मेसी श्रेणी में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मेसी ने अपनी मौजूदगी दर्ज करवा दी है। मगर उसकी रैंकिंग पिछले साल की तुलना में काफी पिछड़ गई है। 2018 में जारी रैंकिंग में स्कूल ऑफ फार्मेसी ने 45वां स्थान पाया था, लेकिन इस बार विभाग 10 पायदान नीचे आ गया है। 2019 में स्कूल ऑफ फॉर्मेसी की 55वीं रैंक आई है।

Nai Dunia (Indore), 9th April 2019, Page-20 (Plus 2)